Series : RLH/1		Code No. कोड नं. **4/1/1**

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

HINDI
हिन्दी
(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*
निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।
(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

संसार में शान्ति, व्यवस्था और सद्भावना के प्रसार के लिए बुद्ध, ईसामसीह, मुहम्मद, चैतन्य, नानक आदि महापुरुषों ने धर्म के माध्यम से मनुष्य को परम कल्याण के पथ का निर्देश किया, किन्तु बाद में यही धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त्र बन गया । यह एक सर्वविदित तथ्य है कि धर्म के नाम पर पृथ्वी पर जितना रक्तपात हुआ है उतना और किसी कारण से नहीं । मनुष्य जाति विपन्न हो गई । पर धीरे-धीरे मनुष्य सहज शुभ बुद्धि से धर्मोन्माद तथा धर्म के नशे से हो चुके और हो सकने वाले अनर्थ को समझने लग गया है । यह आशाप्रद बात है ।

भौगोलिक सीमा और धार्मिक विश्वास जनित भेदभाव अब धरती से शनैः शनैः मिटते जा रहे हैं । विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ संचार के साधनों में अभूतपूर्व अभिवृद्धि हुई है, जिससे देशों के बीच दूरियाँ कम हो गई हैं । अब एक देश दुसरे देश को अच्छी तरह जानने लग गया है । फिर, संयुक्त राष्ट्र संघ, जो संसार के 159 देशों का एक मिलाजुला मंच है, अन्तर्राष्ट्रीयता की भावना को फैलाने तथा विभिन्न देशों के आपसी मनमुटाव को दूर करने में प्रयत्नशील है । फिर भी संसार में वर्णभेद की समस्या आज भी वर्तमान है । यह बड़े दुख की बात है कि जब हम इक्कीसवीं सदी की ओर अग्रसर हो रहे हैं और पृथ्वी के सभी प्रगतिशील देश अखण्ड विश्व की कल्पना के कार्यान्वयन में लगे हैं, तब भी वर्णभेद का यह कलंक दुनिया से दूर नहीं हुआ ।

जो हो, संसार के सब मनुष्य एक हैं । समस्त भेद कृत्रिम हैं और वे मिटाए जा सकते हैं । अमृत संतान है मानव ! विश्व के समस्त जीवों में श्रेष्ठतम है । असीम शक्ति है उसमें । अपनी बुद्धि और मन से वह असाध्य-साधन कर सकता है । आवश्यकता है शिक्षा के व्यापक प्रसार की, जो मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एक मात्र साधन है । इसी बोध के द्वारा वह अपने को सब प्रकार की संकीर्णता के कलुष से मुक्त करके अपनी दृष्टि को निर्मल और विस्तीर्ण बना सकता है । संसार के सभी विवेकशील व्यक्ति इस दिशा में सक्रिय हैं ।

(क) धर्म की भूमिका के बारे में अपने अनुभव से मनुष्य ने क्या सीखा है ? 2

(ख) संचार साधनों की अभिवृद्धि का क्या परिणाम हुआ है ? 2

(ग) वर्णभेद की समस्या का संसार पर क्या प्रभाव पड़ा है ? 2

(घ) गद्यांश में कुछ महापुरुषों का उल्लेख क्यों किया गया है ? 1

(ङ) मनुष्य को समस्त जीवों में श्रेष्ठ क्यों माना जाता है ? 2

(च) मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता कैसे बढ़ाई जा सकती है ? 1

(छ) 'अत्याचार' शब्द से विशेषण बनाकर लिखिए । 1

(ज) इस गद्यांश को उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

2. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर
पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ ।
तूफानों-भूचालों की भयप्रद छाया में,
मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ ।
मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है
इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं ।
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है
मैं खंडहर को फिर से महल बना सकता हूँ ।
जब-जब भी मैंने खंडहर आबाद किए हैं,
प्रलय-मेघ भूचाल देख मुझको शरमाए ।
मैं मज़दूर मुझे देवों की बस्ती से क्या
मैंने अगणित बार धरा पर स्वर्ग बनाए ।

(i) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में किसका महत्त्व प्रतिपादित किया गया है ? 1

(ii) स्वर्ग के प्रति मजदूर की विरक्ति का क्या कारण है ? 2

(iii) किन कठिन परिस्थितियों में भी उसने अपनी निर्भयता प्रकट की है ? 2

(iv) 'मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है,

इसमें मुझसे अगणित प्राणी आ जाते हैं'

उपर्युक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट करके लिखिए । 2

(v) अपनी शक्ति और क्षमता के प्रति उसने क्या कहकर अपना आत्म विश्वास प्रकट किया है ? 1

अथवा

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम-स्थल ।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन संबल ।

मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर ।

सच्चा प्रेम वही है जिसकी –
तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर ।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर ।

(i) कवि ने मृत्यु के प्रति निर्भय बने रहने के लिए क्यों कहा है ? 1

(ii) मृत्यु को विश्राम-स्थल क्यों कहा गया है ? 1

(iii) कवि ने मृत्यु की तुलना किससे और क्यों की है ? 2

(iv) मृत्यु रूपी सरिता में नहाकर जीव में क्या परिवर्तन आ जाता है ? 2

(v) सच्चे प्रेम की क्या विशेषता बताई गई है और उसे कब निष्प्राण कहा गया है ? 2

खण्ड – 'ख'

3. प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें पुस्तकालय में कुछ और हिन्दी-पत्रिकाएँ मँगाने के लिए निवेदन किया गया हो । 5

अथवा

अपने घर में चोरी हो जाने की सूचना देते हुए पुलिस थाना-अधिकारी को पत्र लिखिए ।

4. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग **100** शब्दों में एक सुगठित अनुच्छेद लिखिए । 5

(क) भारत के राष्ट्रीय पर्व :

(i) पर्व और उनके अनेक रूप ; जातीय, सामाजिक, राष्ट्रीय आदि ।

(ii) राष्ट्रीय पर्व – उनके मनाने के ढंग (स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, महात्मा गांधी का जन्म-दिवस)

(iii) इन पर्वों का संदेश

(ख) मित्रता :

(i) मित्रता क्या है ? इसका महत्त्व – सच्ची मित्रता,

(ii) अच्छे मित्र, बुरे मित्र की पहचान ।

(iii) मित्रता से लाभ

(ग) कम्प्यूटर :

(i) कम्प्यूटर क्या है ?

(ii) भारत में कम्प्यूटर – इसका उपयोग तथा इससे लाभ ।

(iii) दैनिक जीवन में कम्प्यूटर ।

खण्ड – 'ग'

5. (i) शब्द और पद का अन्तर उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए । 2

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पद-बंधों के नाम बताइए : 2

(क) नाव उफनती नदी में डूब गई ।

(ख) घोंसले में रहने वाली चिड़िया उड़ गई ।

6. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : $1 \times 4 = 4$

(क) वह फल खरीदने के लिए बाज़ार गया । (रचना के अनुसार वाक्य प्रकार लिखिए)

(ख) मैं पुस्तकालय गया और पुस्तकें लेकर आ गया । (रचना के अनुसार वाक्य प्रकार लिखिए)

(ग) आप वहीं बैठकर मेरी प्रतीक्षा करें । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(घ) परिश्रमी व्यक्ति सफल होते हैं । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

7. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : $\frac{1}{2} \times 8 = 4$

(क) पीत + अम्बर (संधि कीजिए)

(ख) प्रत्येक (संधिच्छेद कीजिए) ।

(ग) नीलाम्बर (समास विग्रह कीजिए) ।

(घ) हमें फल की चिंता किए बना यथाशक्ति परिश्रम करना चाहिए ।

(रेखांकित पद के समास का नाम लिखिए)

(ङ) अनुभव (उपसर्ग बताइए)

(च) 'वि' उपसर्ग से एक शब्द बनाइए ।

(छ) 'होनहार' शब्द में प्रत्यय बताइए ।

(ज) 'पन' प्रत्यय से एक शब्द बनाइए ।

8. (क) दिए गए मुहावरों **अथवा** लोकोक्तियों में से किन्हीं **दो** को वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए : 2

(i) अक्ल का दुश्मन

(ii) कफन सिर पर बाँधना

(iii) तूती बोलना

(iv) चिराग तले अँधेरा

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे/लोकोक्ति द्वारा कीजिए : 2

(i) इतने अच्छे नृत्य को देखकर भी जब दर्शकों ने तालियाँ नहीं बजाई तो मुझे लगा बंदर .... ।

(ii) वह मेरे सामने ही बैठा था, पर मेरी .... झोंक कर मेरी पुस्तकें ले गया ।

9. (i) निम्नलिखित में से किसी **एक** के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1

आग, हाथी

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के विलोम शब्द लिखिए : 1

आदि, उत्थान, जन्म, लाभ

(iii) निम्नलिखित में से किसी **एक** शब्द से दो अलग-अलग अर्थ देने वाले वाक्य बनाइए : 2

कुल, कर

खण्ड – 'घ'

10. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

सोहत ओढ़ैं पीतु पटु स्याम, सलौनैं गात ।
मनौ नीलमनि-सैल पर आतपु पर्यौ प्रभात ।।
कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ ।
जगतु तपोबन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ ।।
बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ ।
सौंह करैं भौंहनु हँसै, दैन कहैं नटि जाइ ।।

(क) पीला वस्त्र धारण करने के बाद, श्रीकृष्ण के सौंदर्य पर कवि ने क्या कल्पना की है ? 2

(ख) गोपियों ने श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा ली ? 2

(ग) भयंकर गरमी ने संसार को तपोवन कैसे बना दिया ? 2

अथवा

केवल इतना रखना अनुनय –
वहन कर सकूँ इसको निर्भय ।
नत शिर होकर सुख के दिन में
तब मुख पहचानूँ छिन-छिन में ।
दु:ख-रात्रि में करे वंचना मेरी जिस दिन निखिल मही
　　उस दिन ऐसा हो करुणामय
　　तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय ।।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए । 1

(ख) कवि किससे 'अनुनय' कर रहा है ? 1

(ग) दुख की स्थिति आने पर कवि ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है ? 2

(घ) 'वहन कर सकूँ इसको निर्भय' का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 2

11. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $3 \times 3 = 9$

(क) अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या सुझाव दिया है ?

(ख) 'मनुष्यता' कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने तालाब की तुलना दर्पण से क्यों की है ?

(घ) महादेवी वर्मा ने अपनी कविता में दीपक से जलने की प्रार्थना क्यों की है ?

12. (क) 'तोप' कविता से तोप के बारे में क्या जानकारी मिलती है ? 3

(ख) 'मीराबाई' श्रीकृष्ण की चाकरी क्यों करना चाहती है ? 2

13. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 + 2 + 2 = 6$

सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था । समुद्र से ठंडी बयारें आ रही थीं । पक्षियों की सायंकालीन चहचहाहटें शनैः शनैः क्षीण होने को थीं । उसका मन शांत था । विचारमग्न तताँरा समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को समुद्र पर निहारने लगा । तभी कहीं पास से उसे मधुर गीत गूँजता सुनाई दिया । गीत मानो बहता हुआ उसकी तरफ आ रहा हो । बीच-बीच में लहरों का संगीत सुनाई देता । गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा । लहरों के एक प्रबल वेग ने उसकी तंद्रा भंग की । चैतन्य होते ही वह उधर बढ़ने को विवश हो उठा जिधर से अब भी गीत के स्वर बह रहे थे । वह विकल-सा उस तरफ बढ़ता गया । अंततः उसकी नज़र एक युवती पर पड़ी जो ढलती हुई शाम के सौंदर्य में बेसुध, एकटक समुद्र की देह पर डूबते आकर्षक रंगों को निहारते हुए गा रही थी । यह एक श्रृंगारगीत था ।

(क) समुद्र तट का प्राकृतिक वातावरण कैसा था ?

(ख) किसकी तंद्रा कैसे भंग हो गई ?

(ग) विकलता में आगे बढ़कर तताँरा ने क्या देखा ?

अथवा

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफी कुछ बदल दिया है । वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था । पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे । अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है । इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है । इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं । जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है । इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है । बच्चे अभी छोटे हैं । उनके खिलाने-पिलाने की जिम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है । वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं । और क्यों न आएँ जाएँ ! आखिर उनका भी घर है । लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है । वे कभी किसी चीज को गिराकर तोड़ देते हैं । कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा गालिब को सताने लगते हैं । इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह, जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है । उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है । खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं ।

(क) वर्सोवा में अब क्या बदलाव आ गए हैं ?

(ख) दो कबूतरों की वजह से लेखक को क्या परेशानी होने लगी ?

(ग) लेखक की पत्नी ने कबूतरों से परेशान होकर क्या किया ?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $3 \times 3 = 9$

(क) सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्रियों ने क्या सहयोग दिया ?

(ख) निकोबार द्वीप समूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास था ?

(ग) 'गिरगिट' पाठ के आधार पर ओचुमेलॉव की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(घ) बढ़ती हुई आबादी ने पर्यावरण को कैसे प्रभावित किया है ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए ।

15. (क) आदर्शवादी लोगों ने समाज के लिए क्या किया है ? 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर लिखिए ? 3

(ख) वज़ीर अली ने कर्नल को कैसे मात दे दी ? 'कारतूस' एकांकी के आधार पर लिखिए । 2

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : 4

(क) हरिहर काका की जीने की लालसा में बढ़ी बेचैनी और छटपटाहट की तुलना लेखक ने किससे की है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) मुअत्तली के दिनों में प्रीतमचंद का समय कैसे बीतता था ? 'सपनों के से दिन' के आधार पर लिखिए ।

17. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 \times 3 = 6$

(क) छुट्टियों में लेखक को ननिहाल जाकर क्या खुशी मिली ? 'सपनों के से दिन' के आधार पर लिखिए ।

(ख) इफ्फन को अपनी दादी से ज्यादा प्यार क्यों था ?

(ग) टोपी के मुँह से 'अम्मी' शब्द सुनकर घरवाले क्यों नाराज हुए ?

(घ) गाँव के नेताजी ने हरिहर काका की जमीन के लिए क्या प्रस्ताव रखा ?